

| الفعل المضارع |      |       |             |      |       | الفعل الماضي |      |       |             |             |             |             |             |             |       |  |
|---------------|------|-------|-------------|------|-------|--------------|------|-------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------|--|
| معلم          | مبني | فاعل  | مجهول       | مغرب | نائب  | معلم         | مبني | فاعل  | مجهول       |             |             |             |             |             |       |  |
| هَوِيَ        | [هـ] | [هو]  | يَهْوِي     | [هـ] | [هو]  | يَهْوِي      | [هـ] | [هو]  | هَوِيَ      | هُوِي       | هُوِي       | هُوِي       | هُوِي       | هُوِي       | غائب  |  |
| هَمَا         | (١)  | (ن)   | يُهَوِيَانِ | (١)  | (ن)   | يُهَوِيَانِ  | (١)  | (ن)   | هَوِيَا     | هُوِيَا     | هُوِيَا     | هُوِيَا     | هُوِيَا     | هُوِيَا     |       |  |
| هُمَّ         | (و)  | (ن)   | يُهَوُونَ   | (و)  | (ن)   | يُهَوُونَ    | (و)  | (ن)   | هَوُوا      | هُوُوا      | هُوُوا      | هُوُوا      | هُوُوا      | هُوُوا      |       |  |
| هِيَ          | [هـ] | [هي]  | تَهْوِي     | [هـ] | [هي]  | تَهْوِي      | [هـ] | [هي]  | هَوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | مخاطب |  |
| هُمَا         | (١)  | (ن)   | تَهْوِيَانِ | (١)  | (ن)   | تَهْوِيَانِ  | (١)  | (ن)   | هَوَيْتَا   | هُوَيْتَا   | هُوَيْتَا   | هُوَيْتَا   | هُوَيْتَا   | هُوَيْتَا   |       |  |
| هُنَّ         | (و)  | (ن)   | تَهْوِينَ   | (و)  | (ن)   | تَهْوِينَ    | (و)  | (ن)   | هَوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    |       |  |
| أَنْتَ        | [هـ] | [أنت] | تَهْوِي     | [هـ] | [أنت] | تَهْوِي      | [هـ] | [أنت] | هَوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | هُوَيْتَ    | مخاطب |  |
| أَنْتُمَا     | (١)  | (ن)   | تَهْوِيَانِ | (١)  | (ن)   | تَهْوِيَانِ  | (١)  | (ن)   | هَوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا |       |  |
| أَنْتُمْ      | (و)  | (ن)   | تَهْوُونَ   | (و)  | (ن)   | تَهْوُونَ    | (و)  | (ن)   | هَوَيْتُمْ  | هُوَيْتُمْ  | هُوَيْتُمْ  | هُوَيْتُمْ  | هُوَيْتُمْ  | هُوَيْتُمْ  |       |  |
| أَنْتِ        | (ي)  | (ن)   | تَهْوِينَ   | (ي)  | (ن)   | تَهْوِينَ    | (ي)  | (ن)   | هَوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | مخاطب |  |
| أَنْتُمَا     | (١)  | (ن)   | تَهْوِيَانِ | (١)  | (ن)   | تَهْوِيَانِ  | (١)  | (ن)   | هَوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا | هُوَيْتُمَا |       |  |
| أَنْتُنَّ     | (و)  | (ن)   | تَهْوِينَ   | (و)  | (ن)   | تَهْوِينَ    | (و)  | (ن)   | هَوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    | هُوَيْتِ    |       |  |
| أَنَا         | [هـ] | [أنا] | أَهْوِي     | [هـ] | [أنا] | أَهْوِي      | [هـ] | [أنا] | هَوَيْتُ    | هُوَيْتُ    | هُوَيْتُ    | هُوَيْتُ    | هُوَيْتُ    | هُوَيْتُ    | متكلم |  |
| نَحْنُ        | [هـ] | [نحن] | نَهْوِي     | [هـ] | [نحن] | نَهْوِي      | [هـ] | [نحن] | هَوَيْنَا   | هُوَيْنَا   | هُوَيْنَا   | هُوَيْنَا   | هُوَيْنَا   | هُوَيْنَا   |       |  |

## البناء والإعراب

|            |           |
|------------|-----------|
| مرفوع      | مبني      |
| [ ] محذوفة | ( ) ظاهرة |

## فعل الأمر

| الأمر     | مبني | فاعل  | مؤكّد (ن)   | مؤكّد (ن)   | مبني |
|-----------|------|-------|-------------|-------------|------|
| أَنْتَ    | [هـ] | [أنت] | أَهْوِيْنِ  | أَهْوِيْنِ  | (هـ) |
| أَنْتُمَا | [ن]  | (١)   | أَهْوِيَانِ | أَهْوِيَانِ | [ن]  |
| أَنْتُمْ  | [ن]  | (و)   | أَهْوُونَ   | أَهْوُونَ   | [ن]  |
| أَنْتِ    | [ن]  | (ي)   | أَهْوِينَ   | أَهْوِينَ   | [ن]  |
| أَنْتُمَا | [ن]  | (١)   | أَهْوِيَانِ | أَهْوِيَانِ | [ن]  |
| أَنْتُنَّ | (هـ) | (ن)   | أَهْوِينَ   | أَهْوِينَ   | (هـ) |

المصدر: هَوِيَ

اسم الفاعل: هَوِي - هَاوِي

اسم المفعول: مَهْوِيٌّ

## تصريف الفعل الثلاثي المجرد